University in News on 09 June 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 4 & 5

चेक का क्लोन बनाकर निकाले गए 1.39 करोड़ लविवि को मिले वापस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के चेक का क्लोन बना निकाले गए एक करोड़ 39 लाख रुपये विवि को वापस मिल गए हैं। इस फर्जीवाड़े में यूको बैंक का बाबू शामिल था। पुलिस द्वारा खुलासा होने के साथ ही लविवि को रुपये वापस मिलना तय हो गया था। सोमवार को लविवि के खाते में पूरी रकम आ गई।

विवि में अक्तूबर 2019 में इस फर्जीवाड़े की जानकारी हुई थी। कुलसचिव ने केस दर्ज कराया था। उस समय लविवि के परीक्षा विभाग के 14 चेकों का क्लोन तैयार कर एक करोड़ 39 लाख 78 हजार रुपये पार किए गए थे। जिन चेकों का क्लोन तैयार किया गया, वे वर्ष 2000 में जारी हुए थे। फर्जीवाड़े में पहले किसी लविवि कर्मचारी के ही शामिल होने के आशंका व्यक्त की गई थी। हालांकि पुलिस की पड़ताल में यह बात गलत मिली। पुलिस के अनुसार, लविवि की यूको बैंक शाखा में विभूतिखंड निवासी आनंद शुक्ला क्लर्क था। उसकी तैनाती 2015 से 2018 तक थी। इस दौरान बैंक में चेक भुगतान संबंधित जिम्मेदारी उसके पास थी। आनंद ने बैंक के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर नॉन सीटीएस चेक का क्लोन तैयार किया था। ये सीटीएस चेक के रूप में तैयार किए गए। बैंक के ऑनलाइन रिकॉर्ड में नॉन सीटीएस चेक लंबित दिख रहे थे।

फर्जीवाड़े में शामिल था बैंक का लिपिक

> “ लविवि को यूको बैंक से पूरे 1.39 करोड़ रुपये वापस मिल गए हैं। बैंक ने रुपये वापस करने संबंधी आश्वासन पहले ही दे दिया था। अब पूरा भुगतान बैंक खाते में आ गया है। – **डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव,** प्रवक्ता लविवि

शारीरिक शिक्षा में कई विषयों का समावेश

लखनऊ। शारीरिक शिक्षा एक ऐसा विषय है, जिसमें इतिहास, भूगोल, गणित, विज्ञान, अर्थशास्त्र, कंप्यूटर और सांख्यिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों का समावेश है। इसकी स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को शारीरिक शिक्षा विभाग तथा एलुमनाई एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के उद्घाटन पर यह बात कही। अधिष्ठाता कला संकाय पद्मश्री प्रोफेसर बृजेश कुमार शुक्ला ने कोविड-19 का फिजिकल एक्टिविटी तथा स्पोर्ट्स पर पढ़ने वाले प्रभाव पर बात की।

राय से उत्पाद में होता है सुधार

लखनऊ। किसी विशेष उत्पाद के बारे में उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि के स्तर की पहचान करने में समीक्षा और राय एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। समीक्षा और राय का उपयोग, उत्पाद के बारे में सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ विचारों को जानने में किया जाता है। यह बात कही सॉफ्टवेयर इंजीनियर कुशल मित्तल ने। मौका था लविवि के इंजीनियरिंग संकाय की ओर से 'हाउ कंपनीज यूज सेंटीमेंट एनालिसिस टू इम्प्रूव कस्टमर एक्सपीरियंस' विषय पर आयोजित दो दिवसीय वेबिनार का। इसका आयोजन संकाय के ट्रेंनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस छात्रों के लिए किया गया।

THE PIONEER Page 4

Institute of Wildlife Sciences to conduct green audit of LU

Lucknow (PNS): The Institute of Wildlife Sciences will be carrying out green audit of Lucknow University. The work will begin at the end of this month. Institute coordinator Amita Kanaujia said they would be checking all the green parameters, including air and noise pollution, use of solar panels, rainwater harvesting etc. "Nearly 20 students will carry out the audit and collect samples from the university," she said.

The institute had recently taken out the biodiversity index of Lucknow, and it came out at 30, which was a below-average figure. "The calculated total score of the 12 indicators for calculating the index was 30 out of 92 points, that is 32.60% representing below-average percentage. This score demonstrates that although there are many conservation strategies in Lucknow, we need to show more concern on biodiversity conservation," she said. She added that the study showed two types of ecosystems in the Lucknow — one is forest ecosystem and other freshwater ecosystem.

HINDUSTAN Page 6

छात्रों को योग भी सिखाएं: कुलपति

लखनऊ | **वरिष्ठ संवाददाता**

लखनऊ विश्वविद्यालय

- शारीरिक शिक्षा विभाग के वेबिनार में बोले कुलपति
- कोविड काल में शारीरिक शिक्षा में बदलाव पर जोर दिया

आधुनिक तकनीकी ज्ञान के साथ ही छात्रों को योग, ध्यान, प्राकृतिक चिकित्सा जैसी प्राचीन पद्धतियों के बारे में भी जानकारी देना जरूरी है। यह कहना है लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का।

वह सोमवार को लविवि के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार में बोल रहे थे। उन्होंने विभाग के नए सिलेबस में इन विषयों को शामिल करने की भी वकालत की। प्रो. राय ने कहा कि शारीरिक शिक्षा ऐसा विषय है जिसमें इतिहास, भूगोल, गणित, विज्ञान, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर, सांख्यिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों का समावेश है। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला, शिक्षाविद डॉ. एसएन सिंह व डॉ. एके श्रीवास्तव ने कोविड काल में शारीरिक शिक्षा में बदलाव पर जोर दिया।

वेबिनार का आयोजन डॉ. नीरज जैन ने किया। इस वेबिनार में डॉ. अल्पना बाजपेई, डॉ. अवधेश कुमार शुक्ला, डॉ. गणेश शंकर पांडे समेत लगभग 1000 लोग शामिल हुए।

PIONEER Page 4

यूको बैंक ने एलयू को लौटाई 1.40 करोड़ की रकम

पायनियर समाचार। लखनऊ

अप्रैल 2017 से मई 2019 के बीच चेक क्लोनिंग के माध्यम से लखनऊ विश्वविद्यालय के खाते से जालसाजों द्वारा निकाले गये पैसे को यूको बैंक ने अपनी गलती मानते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय को पूरा पैसा वापस कर दिया है। बैंक की तरफ से विवि को 1 करोड़ 39 लाख 67 हजार 935 रुपये वापस दिए गए है। बता दें कि जालसाजी के इस मामले में एक बैंककर्मी सहित अन्य जालसाजों के खिलाफ विवि की तरफ से एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसमे बैंककर्मी की संदिग्ध भूमिका को देखते उसका बाद में ट्रांसफर कर दिया था। प्रकरण का खुलासा होने के बाद पहले जालसाजों की तरफ से 11 चेक के माध्यम से 1 करोड़ 9 लाख 82 हजार 935 रुपए खाते से निकालने की पुष्टि की गई थी। इसके बाद जब विवि स्तर पर दस्तावेजों की छानबीन की गई तो पूरा मामला 1.40 करोड़ का सामने आया था। जिसमे 14 चेक की क्लोनिंग का मामला सामने आया था। जिसके बाद अक्टूबर 2019 में विवि के पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह की तरफसे एफआईआर दर्ज कराई थी। जालसाजी के माध्यम से पैसे निकाले जाने के बाद विवि के कुलपति ने संबंधित बैंक से अपने सारे खाते दूसरे बैंक में ट्रांसफर कर दिये थे। साथ ही सभी तरह के भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से करने के निर्देश दिये थे। बता दें कि चेक की क्लोनिंग का खुलासा उस समय हुआ था जब बैंक की तरफ से एक चेक को डिटेक्ट करने के दौरान पेमेंट को रोक कर विवि को सूचना दी गयी। 22 मार्च 2018 की एक चेक संख्या 002084 जिस पर 9 लाख 98 हजार 274 रुपए के भुगतान प्रदीप कुमार सिंह यूको बैंक एकाउंट नंबर 10270110043998 में भुगतान होने थे। जबकि उक्त नंबर की चेक वर्तमान में भी विवि के पास मौजूद चेकबुक में मौजूद थी।

AMRIT VICHAR Page 2

लविवि में वेबिनार का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के ट्रेंनिंग एंड प्लेसमेंट सेल विषय पर दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कंप्यूटर साइंस छात्रों के लिए "हाउ बी2 सी कम्पनीज यूज़ सेंटीमेंट एनालिसिस टू इम्प्रूव कस्टमर एक्सपीरियंस विषय पर आयोजित इस वेबिनार के दौरान एच.पी कंपनी के सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर कुशाल मित्तल ने बताया की सेंटीमेंट एनालिसिस नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) का एक अनुप्रयोग है, जिसका उपयोग इंटरनेट पर उपयोगकर्ताओं की समीक्षाओं और टिप्पणियों का विश्लेषण कर उनकी भावनाओं का पता लगाने मे किया जाता है। उन्होंने कहा कि फ़ेसबुक, ट्विटर जैसी सोशल वेबसाइटों का उपयोग व्यापक रूप से उपयोगकर्ताओं को विभिन्न विषयो के बारे में समीक्षा पोस्ट करने के लिए किया जाता है। किसी विशेष उत्पाद के बारे में उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि के स्तर की पहचान करने में समीक्षा और राय प्रमुख भूमिका निभाते हैं।